अक्षय लक्ष्मी कुबेर कलश

इस भाग्यशाली कलश में आप पायेंगें

दिव्य लक्ष्मी-कुबेर यंत्र, पारद लक्ष्मी प्रतिमा
पारद गणेश प्रतिमा, कुबेर कलश
नजरदोष निवारक गोमती चक्र
लक्ष्मी आकर्षण के लिये "काली हल्दी"
लक्ष्मी वशीकरण के लिये "नागकेशर"
बच्चों के लिये बुद्धिप्रदाता "श्री गणेश कवच"
धनवृद्धि के लिये लक्ष्मीकारक कौड़ियां
स्फटिक मणिमाला, लक्ष्मीकल्प "रक्त गुंजा"
दिव्य हकीक मणियाँ, धन-समृद्धिकारक धूप
वास्तुदोष निवारक "मंगल तोरण कलश"
श्री लक्ष्मी चरण पादुका, लक्ष्मी सहोदर "शंख"
श्रीमहालक्ष्मी सहित श्री यंत्र का सिक्का
तंत्र मणि लॉकेट (सुरक्षा कवच के रुप में)
गृहरक्षा, संपत्ति रक्षा के लिये "घोड़े की नाल"
श्री कुबेर-लक्ष्मी चौतीसा यंत्र युक्त "महात्रिशक्ति यंत्र"
लक्ष्मी पूजन विधान बुकलेट
नवग्रह दोष निवारण के लिये "सर्वोषधी"
श्रीसूक्त, लक्ष्मी पूजन की डी.वी.डी/सी.डी.
अष्टगंध, सिद्ध लक्ष्मीकारक कमल बीज
पंच विपत्ति नाशक पोटली
लक्ष्मी प्रयोगों की विस्तृत विधि

लक्ष्मीवान् बनना आपका भाग्य ही नहीं, आपका अधिकार है

त्रिगुणमयी परमेश्वरी महालक्ष्मी समस्त कृत्यों के कारण का प्रारम्भ है। वहीं सम्पूर्ण विश्व में दृश्य अथवा अदृश्य रूप में व्याप्त है। भगवती महालक्ष्मी विष्णु की शक्ति को परमा, पद्मवासिनी, हरिप्रिया, सागर तनया आदि सहस्त्रों नामों से नामांकित किया गया है।

'लक्ष्मी इति लक्ष्मी' अर्थात् लक्ष्मी स्वयं की उपस्थिति को स्वतः ही परिलक्षित वर देती है। यह नीतिवाक्य आज भी सार्थक है कि सर्वकष्टा दरिद्रता यानि दरिद्रता ही सभी संकट उत्पन्न करती है।

दरिद्रता के विनाश का मार्ग प्रशस्त कर उनके हितार्थ हमने यंत्र-मंत्र व अनुष्ठान कर यह कलश तैयार किया है ताकि आप समय की मात्रा से अपने पूर्वजन्म कृत-कृत्यों से विपन्नता प्रदान करने वाले समस्त प्रभाव को क्षीण कर अथाह धन, यश, कीर्ति एवं वैभव सम्पन्न हो सकें!

इस कलश में आपके लिये विशेष पदार्थों, सामग्रियों का संकलन किया गया है। इस कलश से परिवार के लगभग सभी सदस्य अपनी-अपनी कामनापूर्ति के लिये इसका उपयोग कर सकते हैं।

कलश न्यौछावर 5100/- डाक खर्च सहित

BANK A/C. No.

त्रिनेत्र सिद्धि केन्द्र

SBI, A/C No. 329-8988-9790
IFSC-Code : SBIN0006490

HDFC A/C No. 014-225-6000-5331
IFSC-CODE : HDFC0000142

अधिक जानकारी के लिये सम्पर्क करें

त्रिनेत्र सिद्धि केन्द्र

'त्रिनेत्र' प्लॉट नं.-1, महावीर नगर, गौरव पथ, पॉलिटेक्निक कॉलेज मैन गेट के पास, जोधपुर(राज.)
फोन : 0291-2615625, 2618625, 2621625, 2440111/999 फैक्स : 0291-2618625
Email : tantravtj@yahoo.co.in
Visit us : www.kamalshrimali.com /fameandfortune /Kamal Shrimali

R.N.I. No. : RAJHIN/2002/8994 • Printing Date : 05/09/2020 • Posting Date : 10-11/09/2020
P.R. No. : JODHPUR/66/2018-2020 • Post at R.M.S. Jodhpur

श्री लक्ष्मीयोग रत्न लॉकेट

धन प्राप्ति, भौतिक समृद्धि एवं अचल संपत्ति प्राप्त होने का वरदान

जीवन में सुख मुख्यतः सम्पन्नता पर निर्भर करते है और दुःख प्रायः धन के अभाव के कारण। मानव जीवन को दो मुख्य भागों में बांटा जा सकता है– योग और अरिष्ट अथवा भाग्य या दुर्भाग्य। हर व्यक्ति की कुण्डली में सुयोग या दुर्योग विद्यमान रहते है। ज्योतिष के कई महायोग हैं जो व्यक्ति को जीवन की बुलन्दियों पर पहुंचा देते है तो कई दुर्योग भी है जो व्यक्ति की भरपूर मेहनत को सफल नहीं होने देते।

ज्योतिष के आधार पर जन्म कुण्डली के हर लग्न में ग्रहों के विशिष्ट लक्ष्मी योग, राजयोग आदि को दर्शाते है। लग्न के अनुसार जो ग्रह धनयोग बनाते है उन्हें रत्न धारण द्वारा बलवान बनाया जाय तो व्यक्ति के जीवन में आकस्मिक धन प्राप्ति, बुद्धि तथा भाग्य की प्रबलता, लाभ–आय में वृद्धि एवं अचल संपत्ति में वृद्धि प्राप्त की जा सकती है।

ऐसा क्यों होता है कि जब सभी लक्ष्मी प्राप्ति के लिये दौड़ रहे हैं तो लक्ष्मी केवल कुछ लोगों पर ही मेहरबान होती है? इसका कारण है लक्ष्मीयोग। लक्ष्मी योग वह योग है जिसके कुण्डली में स्थित होने पर व्यक्ति कई ग्रहों की नकारात्मक स्थिति होने पर भी धनवान् होता है। लक्ष्मी योग का अर्थ है कि साक्षात् लक्ष्मी आपकी जन्मपत्रिका में विराजमान हो रही है और वो आपको एक सुखी–सम्पन्न एवं वैभवशाली जीवन प्रदान करेंगी।

हमने वर्षो तक परिक्षण एवं अनुभव के आधार पर हर लग्न के अनुसार वे रत्न ज्ञात किये है जो सीधे तौर पर आपकी आर्थिक स्थिति को प्रभावित करेंगे क्योंकि जन्मकुण्डली आपकी है और ग्रहों के अस्तित्व को नकारा नहीं जा सकता। हर लग्न के अनुसार धन प्राप्ति के लिये, भौतिक समृद्धि के लिये अचल संपत्ति के लिये रत्नों का चयन किया गया है तथा जो ग्रह व्यक्ति को धनवान बना सकते है, या उसकी मेहनत का फल प्रदान करते है उन्हीं ग्रहों के रत्नों का यह "श्री लक्ष्मी योग रत्न लॉकेट" का निर्माण किया है जिसका प्रभाव धनप्राप्ति में सुनिश्चित है।

धन तथा सौभाग्य की प्राप्ति के लिये रत्नों को धारण करने का प्रचलन आरम्भ से ही रहा है। रत्नों का धारण करना भाग्य परिवर्तन में उपयोगी माना गया हैं।

क्योंकि रत्न बहुत ही कीमती होने के कारण मंहगे होते है और साधारण व्यक्ति की पहुंच के बाहर होते है इसलिये हम आप ही के लिये इन्हीं रत्नों के उपरत्नों का प्रयोग करते हुये "श्री लक्ष्मीयोग रत्न लॉकेट" मात्र 2700 रुपये दक्षिणा में उपलब्ध करवा रहे है और वह भी पूर्णतया वैदिक रीति से प्राण–प्रतिष्ठित इन्हीं ग्रहों के मंत्रों से।

मेष लग्न

वृष लग्न

मिथुन लग्न

कर्क लग्न

सिंह लग्न

कन्या लग्न

तुला लग्न

वृश्चिक लग्न

धनु लग्न

मकर लग्न

कुंभ लग्न

मीन लग्न

क्यों लक्ष्मी केवल कुछ लोगों पर ही मेहरबान होती है?
कारण है लक्ष्मीयोग, क्योंकि ग्रहों के अस्तित्व को नकारा नहीं जा सकता।

सम्पर्क करें:– **त्रिनेत्र सिद्धि केन्द्र**

प्लॉट नं.–1, महावीर नगर, गौरव पथ, पॉलिटेक्निक कॉलेज मैन गेट के पास, जोधपुर(राज.)
0291–2621625, 2615625, 2618625, 2440111, 2440999 टेलीफैक्स : 0291–2618625
Email : tantravtj@yahoo.co.in Visit us : www.fameandfortune.org

हर लग्न का श्री लक्ष्मीयोग रत्न लॉकेट पायें मात्र 5500 रू.
GST & Postage Extra

कमल श्रीमाली की ओर से मनीष कुमार, माणक ऑफसेट, महात्मा गाँधी रोड़, जोधपुर से मुद्रित। प्रकाशक एवं संपादक कमल श्रीमाली द्वारा हाईकोर्ट कॉलोनी, जोधपुर से प्रकाशित